PUBLICATION NAME :	Mati ki Mahima
EDITION:	Ujjain
DATE :	04/06/2023
PAGE NO.	2

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान भारत में महिला उद्यमियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम करेंगे

माटी की महिमा न्यूज/उज्जैन। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के सहयोग से राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को उज्जैन के विक्रम विश्व विद्यालय से संभावित महिला उद्यमियों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) शुरू करने की घोषणा की।देश भर में ऐसे 100 उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उज्जैन के पहले कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मंगूभाई पटेल, मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल और विशिष्ट अतिथि डॉ. मुंजपारा महेंद्रभाई, माननीय राज्यमंत्री, महिला मंत्रालय, बाल विकास, भारत सरकार ने रेखाशर्मा, अध्यक्ष, एनसीडब्ल्यू; डॉ. सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई; और मीनाक्षी नेगी, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग की उपस्थिति में किया।इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्रीपी. नरहरि, आईएएस, सचिव, एमएसएमई और उद्योग आयुक्त, मध्यप्रदेश सरकार शामिल थे।एनसीडब्ल्यू सदस्यों में मती ममता कुमारी, डेलिनाखोंगडुप, खुशबू सुंदर सहित राजभवन और सरकार के गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम के लॉन्च के मौके पर मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा, सबका साथ सबका विकास के विजन के साथ देश आगे बढ़ रहा है।महिलाओं के नेतृत्व विकास बड़े पैमाने पर हो रहा है और इसे मान्यता भी मिल रही है। मैं उद्यमशीलता के माध्यम से महिला सशक्तीकरण की दिशा में इस असाधारण पहल के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और भारत के उद्यमिता विकास संस्थान को बधाई देता हूं।

महिला उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए डॉ. मुंजपारा ने कहा, हम सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में महिला ने तृत्व और सशक्तीकरण में तेजी लाकर भारत के महिला-नेतृत्व वाले विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं,हमारे भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।उन्हें सशक्त बनाना न केवल हमारी नैतिक जिम्मेदारी है बल्कि सतत विकास के लिए एक आवश्यक शर्त भी है।राष्ट्रीय महिला आयोग और भारत के उद्यमिता विकास संस्थान के बीच यह सहयोग न केवल महिला उद्यमियों की क्षमता निर्माण में मदद करेगा बल्कि लोगों को जागरूक भी करेगा।

रेखा शर्मा ने कहा, हालांकि महिलाएं समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी जब आर्थिक सशक्तीकरण और स्वतंत्रता की बात आती है तो वे पीछे रह जाती हैं। डॉ. सुनील शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा, पिछले दस वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है और यह केवल इसलिए संभव हुआ है क्योंकि देश की महिला आबादी को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव मीनाक्षी नेगी ने गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया उद्घाटन के बाद सत्र और पैनल चर्चा आयोजित की गई, जहां विशेषज्ञों ने उद्यमिता के मूल सिद्धांतों, व्यापार के अवसरों की पहचान, उद्यमी तैयार करने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया।